vkj- ,u- vkbZ- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 16 vad % 13 y[kuÅ] lkeokj 07 tqykbZ 2025 ls 13 tqykbZ 2025 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताईं निजी मजबूरियां, कहा- 'कुछ दिनों में छोड़ दूंगा बंगला'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश के आधिकारिक आवास को खाली करने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखे जाने के बाद, पूर्व ब्श्र्प् जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़ ने बंगले में लंबे समय तक रहने के पीछे अपनी निजी मजबूरियों का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि देरी उनके परिवार की जरूरतों के कारण हुई है, क्योंकि उनकी दो बेटियां विशेष आवश्यकताओं वाली हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताया, श्मेरी बेटियों को गंभीर बीमारियां और आनुवंशिक समस्याएं हैं — खासकर श्नेमालाइन मायोपैथीश, जिसके लिए उनका इलाज एम्स के विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है।श उन्होंने यह भी कहा कि परिवार के लिए उपयुक्त घर खोजने में समय लग रहा है, हालांकि उन्होंने माना कि यह एक व्यक्तिगत मुद्दा है। चंद्रचूड़ ने यह भी साफ किया कि इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों और अधिकारियों के साथ पहले ही चर्चा की जा चुकी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सर्वोच्च न्यायिक पद पर आसीन होने के कारण उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का पूरा एहसास है, और उन्होंने आश्वासन दिया कि वे कुछ दिनों में बंगला छोड़ देंगे। चंद्रचूड़ ने यह भी बताया, शनिश्चित रूप से, अतीत में भी पूर्व ब्श्र्प् को रिटायरमेंट के बाद सरकारी आवास बनाए रखने के

लिए ज़्यादा समय दिया गया है, अक्सर यह बदलाव को आसान बनाने या व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए होता है।श दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने १ जुलाई को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (डवभ्।) को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में कहा गया था कि लुटियंस दिल्ली मेंष्ण मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर ५ (जो वर्तमान ब्श्र्प् के लिए तय है) को तुरंत खाली किया जाए। बता दें कि जस्टिस चंद्रचूड़ आठ महीने पहले ही ब्श्र्प् का पद छोड़ चुके हैं, लेकिन वह अभी भी टाइप टप्प् के इस बंगले में रह रहे हैं। उनके दो उत्तराधिकारी — जस्टिस संजीव खन्ना और मौजूदा ब्श्र्प् भूषण आर गवई — पहले से आवंटित अपने बंगलों में ही रहना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट के पत्र के मुताबिक, जस्टिस चंद्रचूड़ ने १८ दिसंबर, २०२४ को तत्कालीन ब्श्र्प् खन्ना को एक पत्र लिखकर बंगले में ३० अप्रैल, २०२५ तक रहने की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था। उन्होंने अनुरोध के पीछे तुगलक रोड पर अपने नए मिले बंगले नंबर १४ में प्रदूषण संबंधी प्रतिबंधों (ळत्।च्-प्ट) के कारण रुके हुए मरम्मत कार्य का हवाला दिया था। तत्कालीन CJI खन्ना ने इस अनुरोध को मंजूरी दे दी थी, और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने ५,४३० रुपये प्रति माह लाइसेंस शुल्क बनाए रखने की अनुमति दी थी। इसके बाद, चंद्रचूड़ ने ३१ मई, २०२५ तक बंगले में रहने के लिए मौखिक अनुरोध किया था, जिसे इस शर्त के साथ अनुमति दी गई थी कि आगे कोई और विस्तार नहीं दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार बड़े पैमाने पर मंदिरों का जीर्णोद्धार कराएगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए मंदिरों के बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार और पर्यटन विकास के लिए एक योजना शुरू की है। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया है कि इस योजना के तहत भृगु (बलिया) और दुर्वासा ऋषि (आजमगढ़) के आश्रमों सहित जैन मंदिर का कायाकल्प किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि बयान में कहा गया है कि विशेष रूप से पूर्वांचल के मंदिरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पर्यटन विभाग ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। बयान में कहा गया है कि इसमें बलिया में भृगु आश्रम स्थित चित्रगुप्त मंदिर का सौंदर्यीकरण, तेंदुआ पट्टी फरसातार मौजा होलपुर में हनुमान मंदिर परिसर का पर्यटन विकास, बसंतपुर गांव में उदासीन मठ का विकास, आजमगढ़ के महाराजगंज में भैरो बाबा स्थल का पर्यटन विकास और फूलपुर पवई में दुर्वासा ऋषि आश्रम का विकास किया जाना प्रस्तावित है। बयान में कहा गया है कि मऊ जिले में श्री वीरा बाबा ब्रह्म स्थान का पर्यटन विकास, आजमगढ़ के मिश्रापुर में राम जानकी मंदिर का विकास, कन्नौज के सदर में फूलमती देवी मंदिर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि इसके साथ ही आजमगढ़ के ध्यान्नीपुर, सिंगपुर और बांसगांव में

स्वर्गीय संत परमहंस बाबा के स्थल का भी पर्यटन विकास इस योजना में शामिल है। बयान में कहा गया है कि सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। बयान में कहा गया है कि अयोध्या, काशी, और मथुरा जैसे प्रमुख धार्मिक केंद्रों के साथ–साथ राज्य के अन्य प्राचीन मंदिरों और तीर्थ स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए सरकार ने कई योजनाएं लागू की हैं।

पैरोल पर छूटा सीरियल किलर सोहराब, पत्नी संग फरार

लखनऊ। सीरियल किलर भाइयों सलीम, रुस्तम और सोहराब का दहशत राजधानी ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई जिलों में है। पिछले कई सालों से तीनों दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। कुछ दिन पहले कोर्ट ने सीरियल किलर भाइयों में सबसे छोटे सोहराब को पैरोल दिया। जेल से रिहा होने के बाद वह पत्नी से मिला। पैरोल अवधि तीन पहले खत्म हुई, लेकिन वह वापस नहीं आया। इस पर तिहाड़ जेल से दिल्ली पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने यूपी एसटीएफ से संपर्क किया। पिछले तीन दिन से दोनों टीमें तलाश में जुटी है। कैंट के सदर बाजार निवासी सीरियल किलर भाइयों सलीम, रुस्तम और सोहराब ने राजधानी में कई दुस्साहसिक वारदातों को अंजाम दिया। २००४ में रमजान के महीने में सलीम, सोहराब और रुस्तम के सबसे छोटे भाई शहजादे की हुसैनगंज इलाके में कुछ दबंगों ने हत्या कर दी। भाई की हत्या का बदला सलीम, सोहराब और रुस्तम ने ठीक उसी दिन लिया जब ठीक एक साल पहले शहजादे को मौत के घाट उतारा गया था। तीनों भाइयों में दुस्साहस इतना था कि वारदात को अंजाम देने के बाद तत्कालीन एसएसपी लखनऊ आशुतोष पांडेय को फोन कर वारदात की जानकारी दी। एक साथ तीन हत्या करने के बाद सलीम, सोहराब और रुस्तम सीरियल किलर भाइयों के नाम से कुख्यात हो गये। दिल्ली में दिन दहाड़े ज्वेलरी शोरूम में डाका डाल दिया। वहीं, वजीरगंज इलाके में बसपा सरकार के दौरान स्वास्थ्य कर्मचारी और समाजसेवी सैफी की दिन दहाड़े हत्या कर दी। सपा की सरकार आई तो अमीनाबाद में भाजपा पार्षद पप्पू पांडे की अपने खास गुर्गे सुनील शर्मा से हत्या

करवा दी। डाका डालने के मामले में दिल्ली पुलिस ने तीनों को आठ वर्ष पूर्व गिरफ्तार किया। इसके बाद से तीनों तिहाड़ जेल में बंद है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश होते हैं। पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पहले सोहराब ने पैरोल के लिए कोर्ट में आवेदन किया था। कोर्ट ने मंजूरी दे दी। इसके बाद उसे तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। एक जुलाई को उसकी पैरोल अवधि पूरी होने के बाद भी वह तिहाड़ जेल वापस नहीं गया। इसकी जानकारी तिहाड़ जेल के अधीक्षक ने दिल्ली पुलिस को दी। इसके बाद उसकी तलाश शुरू हुई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने यूपी एसटीएफ से संपर्क कर उसके बारे में जानकारी दी। जिसके बाद यूपी एसटीएफ की टीम को सोहराब की तलाश में लगाया गया। संभल के पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के नाती फैज की चौक इलाके में गोलियों से भून कर हत्या करवा दी थी। इसकी वजह सलीम, सोहराब और रुस्तम के परिवार की महिला से मारे गए फैज की नजदीकियां बढ़ने लगी थीं। इसके अलावा सलीम, सोहराब और रुस्तम ने लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी से लेकर दिल्ली में तक व्यापारियों से रंगदारी वसूली और रंगदारी न देने पर जान से मारने के लिए हमले करवाए। तिहाड़ जेल में रहने के बावजूद सलीम, सोहराब, रुस्तम अपराध की दुनिया में अपने रसूख को कायम किए रहे और मामूली घटनाओं में पेशी के जरिए कई बड़ी साजिशों को रचा और अंजाम दिलवाया। बताया जा रहा है कि सलीम, सोहराब और रुस्तम पर लखनऊ से लेकर दिल्ली तक दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं जिसमें हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी वसूली, डकैती जैसी जघन्य वारदातें शामिल हैं।

सम्पादकीय

गरीब नहीं तो क्या कहा जाएगा?

कुछ ही समय पहले विश्व बैंक की एक रिपोर्ट भारत में जश्न का विषय बनी। उसमें कहा गया कि भारत में २०२२–२३ में चरम गरीबी की अवस्था में सिर्फ ५.३ प्रतिशत आबादी बची, जबकि २०११–१२ में ऐसे लोगों की संख्या २७.१ फीसदी थी। विश्व बैंक ने ये रिपोर्ट प्रति दिन तीन डॉलर (२०२१ के मूल्य पर क्रय शक्ति समतुल्यता) खर्च क्षमता के अपने अंतरराष्ट्रीय पैमाने को ध्यान में रखते हुए तैयार की थी। अब उसी विश्व बैंक ने कहा है कि भारत में एक चौथाई आबादी (यानी ३५ करोड़ से अधिक से लोग) न्यूनतम अपेक्षित जीवन स्तर से नीचे जिंदगी गुजार रहे हैं। ये लोग पौष्टिक आहार, सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य देखभाल, एवं शिक्षा की न्यूनतम सुविधाओं से वंचित हैं। विश्व बैंक प्रवक्ता का यह कथन गौरतलब है: 'इसकी पुष्टि करने वाले साक्ष्य मौजूद हैं कि भारत में २०११ के बाद से घरेलू कल्याण की स्थिति सुधरी है। बहुआयामी गरीबी में गिरावट, और सामाजिक सुविधाओं के हस्तांतरण एवं प्रति व्यक्ति जीडीपी में सुधार के आंकड़े मौजूद हैं। मगर यह ध्यान में रखना चाहिए कि २०२२–२३ के घरेलू सर्वेक्षण के दौरान २०११–१२ की तुलना में प्रश्नावली डिजाइन और सर्वेक्षण विधि में कई परिवर्तन किए गए। संभव है कि उस कारण घरेलू खर्च की गणना में बढ़ोतरी नजर आई हो।' और गौरतलब है कि विश्व बैंक की गरीबी रेखा संबंधी रिपोर्टें प्रति व्यक्ति रोजाना खर्च क्षमता पर ही आधारित होती हैं। विश्व बैंक या संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं से जुड़ी एजेंसियों की रिपोर्टें सरकार की तरफ से दिए गए आंकड़ों पर निर्भर करती हैं। तो कोई सरकार चाहे तो इन रिपोर्टों से सामने आने वाली सूरत को अपने माफिक ढलवाने में काफी हद तक कामयाब हो सकती है। लेकिन ऐसा होना वैश्विक संस्थाओं की साख को कठघरे में खड़ा करता है। ताजा मुद्दा यह है कि जिन लोगों को न्यूनतम जीवन स्तर के लिए जरूरी सुविधाएं ना मिल पाती हों, उन्हें गरीब नहीं तो क्या कहा जाएगा? अगर भारत में गरीब सिर्फ ५.३ प्रतिशत लोग हैं, तो बाकी २० प्रतिशत लोग, जो अनिवार्य सुविधाओं से वंचित हैं, उन्हें किस श्रेणी में रखा जाएगा?

हाईस्कूल की छात्रा को ऑटो चालक ने अगवा कर की छेड़छाड़

लखनऊ। दवा लेने निकली १३ वर्षीय हाईस्कूल छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजन ने गुमशुदगी की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी। २४ घंटे बाद लौटी किशोरी ने आपबीती बतायी। पता चला कि मोहल्ले में रहने वाला ई–अ टो चालक उसे हिंदू नाम बताकर अगवा कर ले गया था। विरोध पर छेड़छाड़ करते हुए धमकाया। पुलिस ने मामले में अपहरण, छेड़छाड़ और प क्सो एक्ट की धारा बढ़ाते हुए आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि १ जुलाई को छात्रा घर से दवा लेने जा रही थी। तभी नाम बदलकर रहने वाला ई–ऑटो चालक अंसार उर्फ सोनू कुमार उसे रास्ते में मिला। तब किशोरी ने उसे थोड़ा आगे बढ़कर छोड़ने को कहा। लेकिन आरोप है कि आरोपी सोनू ने उसे ई–ऑटो से नहीं उतरने दिया। बल्कि उसे पूरी रात उसे इधर–उधर घुमाता रहा। विरोध पर छेड़छाड़ करते हुए धमकाया। २ जुलाई की सुबह आरोपी पीड़िता को छोड़कर भाग निकला। उसके चंगुल से छूटी किशोरी किसी तरह घर पहुंची और आपबीती बतायी। शनिवार को पुलिस ने आरोपी अंसार को गिरफ्तार कर ई–ऑटो बरामद कर लिया है। आरोपी मूल रूप से मुजफ्फरपुर बिहार का रहने वाला है।

सीरियल किलर सोहराब के फरार होने पर पुलिस अलर्ट

लखनऊ। सीरियल किलर भाइयों में सबसे छोटे सोहराब के पत्नी समेत फरार होने पर पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई है। एसटीएफ समेत कई टीमें उसकी तलाश कर रही रहीं हैं। माफिया की सूची में शामिल तीनों भाइयों की लखनऊ कमिश्नरेट से पूरी आपराधिक कुंडली मंगाई है। प्रदेश स्तर की टीम तीनों ने उनके गिरोह पर निगरानी शुरू कर दी है। शासन के निर्देश पर तीनों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर दी गई है। सरकार के निर्देश पर प्रदेश स्तर के ६७ माफियाओं की सूची बनाई गई है। जिनकी निगरानी जिले से लेकर प्रदेश स्तर पर गठित अधिकारियों की टीम करती है। इस सूची में सीरियल किलर भाइयों सलीम, रुस्तम और सोहराब का नाम भी शामिल है। जेल जाने के बाद तीनों को जिलास्तरीय सूची में डाला गया था। सोहराब के फरार होने के बाद तीनों भाई फिर चर्चा

में आ गए हैं। सोहराब को २८ जून को तीन की दिन की पैरोल मिली थी। इसकी सूचना पर पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई है। इसी बीच वह पत्नी समेत फरार हो गया। लखनऊ के एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक पत्नी समेत फरार होने के बाद सोहराब को प्रदेश स्तर की माफिया निगरानी सूची में शामिल किया गया है। इसके लिए कमिश्नरेट लखनऊ के उच्चाधिकारियों से रिपोर्ट भी मिल चुकी है। दिल्ली से पैरोल मिलने के बाद सोहराब के पत्नी समेत फरार होने की जानकारी लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस को थी। पर, पूरी तरह से इस मामले में चुप्पी साध गये। उसकी तलाश में टीम तो लगाई गई है, लेकिन इसकी भी जानकारी खुले तौर पर पुलिस के अधिकारी नहीं दे रहे हैं। सोहराब की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। एसटीएफ की टीम सोहराब की तलाश में विभिन्न स्थानों पर दबिश दे रही है और जल्द से जल्द उसकी गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। सूत्रों के मुताबिक सोहराब के परिवार पर भी नजर रखी जा रही है। उसके करीबियों की सूची पुलिस ने तैयार कर ली है। जल्द ही उनसे पूछताछ भी शुरू कर दी जाएगी।

यजदान बिल्डर्स के खिलाफ वजीरगंज कोतवाली में १.६० करोड़ की धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ। यजदान बिल्डर्स के खिलाफ वजीरगंज कोतवाली में १.६० करोड़ की धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि एनआरआई के नाम अलायाह अपार्टमेंट में बुक दो फ्लैट दूसरे को बेच दिए। एडवांस लिए गए रुपये लौटाने के लिए जो चेक दिए वह भी बाउंस हो गए। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कैंट रोड स्थित इज्मा पैलेस निवासी मो. शाकिर हुसैन सिद्दीकी ने बताया कि वर्ष २०१५ में यजदान कंस्ट्रक्शन कंपनी के निदेशक फहद यजदानी, उसके भाई सायम और परिचित शराफत अली से मिले। शाकिर ने एनआरआई बहू सैय्यद रीम आलम के नाम पर अलायाह अ फटेक अपार्टमेंट में दो फ्लैट खरीदे। जिसके एवज में ६१.६३ लाख रुपये दिए थे। फ्लैट का एग्रीमेंट अप्रैल २०१६ में उपनिबंधक कार्यालय में कराया था। काफी समय तक फ्लैट न मिलने पर शाकिर ने यजदान कंस्ट्रक्शन में संपर्क किया। कंपनी के लोगों ने फ्लैट देने में असमर्थता जतायी। रुपये वापस मांगने पर आनाकानी शुरु कर दी। दिसंबर में पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी व अन्य के सामने पंचायत हुई। इसमें बिल्डर भाइयों ने दोनों फ्लैट के १.६० करोड़ देने का लिखित आश्वासन दिया। साथ ही १.३० करोड़ के चेक दिए। समझौते में ये भी तय हुआ कि पूरा पैसा न लौटाने पर पीड़ित पक्ष दोनों फ्लैट का मालिक रहेगा। शाकिर ने बताया कि कुछ समय पहले चेक खाते में लगाए तो वे बाउंस हो गए। करीब दो माह पहले छानबीन करने पर पता चला कि बिल्डर ने १२ मार्च २०२१ को एक फ्लैट की संजना भंडारी व दूसरे की २३ जुलाई २०२१ को सोनू कुमार मिश्रा के नाम पर रजिस्ट्री कर दी है। शाकिर ने विरोध किया तो उसे धमकाया गया। इसके बाद उन्होंने डीसीपी पश्चिम से शिकायत की। शुरुआती जांच में आरोप सही मिलने पर वजीरगंज पुलिस ने फहद यजदानी, उसके भाई सायम निवासी डालीबाग, शराफत अली निवासी ग्लैक्सी अपार्टमेंट हजरतगंज, संजना भंडारी निवासी निलमथा कैंट व सोनू कुमार मिश्र निवासी जयपुर के खिलाफ जाली दस्तावेज के आधार पर धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, आपराधिक साजिश व धमकी समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर राकेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एक्सपायरी इंजेक्शन चढ़ाने वाली नर्स निलंबित

लखनऊ। सरोजनीनगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल में मरीजों को एक्सपायर इंजेक्शन चढ़ाने मामले में अस्पताल प्रशासन ने जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाई गई नर्स को निलंबित कर दिया है। वहीं घटना के लिए दूसरे जिम्मेदार स्टोर प्रभारी को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया गया है। डीएम ने पूरे मामले की रिपोर्ट तलब किया

है। जिसके बाद हरकत में आए अस्पताल प्रशासन ने कार्रवाई किया है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल के महिला वार्ड में गुरुवार को महिला मरीजों को नर्स ने एक्सपायरी इंजेक्शन सिप्रोफ्ल क्सीन चढ़ा दिया था। एक तीमारदार की नजर इंजेक्शन पर गई तो देखा वह एक्सपायर हो चुका है। जिसका बैच नंबर ०७८७ है। इसकी मैनुफैक्चरिंग डेट दिसंबर २०२१ और एक्सपायरी डेट नवंबर २०२४ दर्ज है। इसे लेकर कई तीमारदारों ने स्टाफ से आपत्ति जताई। नर्स इस घोर लापरवाही को मानने की बजाय तीमारदारों से भिड़ गई थी। एक्सपायर इंजेक्शन चढ़ाने को लेकर काफी देर तक वार्ड में हंगामा हुआ था। वहीं इस पूरे मामले में डीएम ने अस्पताल प्रभारी से रिपोर्ट तलब किया था। जिसके बाद अस्पताल प्रभारी ने नर्स को निलंबित करके रिपोर्ट भेजा है। वहीं दवा स्टोर प्रभारी को नोटिस जारी करके जवाब मांगा गया है। अफसरों का कहना है स्टोर प्रभारी पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी है।

मोहर्रम ड्यूटी में तैनात महिला सिपाही को डंडे से पीटा

लखनऊ। मोहर्रम ड्यूटी में तैनात महिला सिपाही पर नींबू पार्क के पास पति ने शुक्रवार रात जानलेवा हमला कर दिया। हमले में वह बुरी तरह घायल हो गईं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट, हत्या का प्रयास, धमकी की रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर नागेश उपाध्याय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हरदोई के बेनीगंज का निवासी अभिषेक सिंह है। आरोपी की सिपाही पत्नी की ड्यूटी शुक्रवार को नींबू पार्क में लगी थी। तभी रात में ड्यूटी के दौरान अभिषेक वहां पहुंच गया। उसका पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात बढ़ने पर आरोपी पीड़ित सिपाही का हाथ पकड़कर खींचकर ले जाते हुए ड्यूटी में व्यवधान डालने की कोशिश करने लगा। सिपाही के विरोध पर आरोपी ने उस पर डंडे से हमला कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गयी। साथी पुलिसकर्मी मदद के लिए दौड़े तो आरोपी वहां से भाग निकला। आनन–फानन में घायल सिपाही को ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गयी। इंस्पेक्टर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गयी। शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गुणवत्ता में सुधार के लिए सभी विश्वविद्यालयों को एक साथ लाया जाएगा : राज्यपाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि शैक्षणिक अनुभवों का आदान–प्रदान करने और समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए राजभवन के माध्यम से सभी राज्य विश्वविद्यालयों को एक साथ लाया जाएगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य के विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति पटेल ने यह बात उस समय कही, जब प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में उनसे मुलाकात की। राजभवन द्वारा जारी बयान के अनुसार, राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को अपने पहले राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) मूल्यांकन में 'ए' ग्रेड

मिलने पर आभार व्यक्त करने आये प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। बयान के अनुसार, बैठक के दौरान राज्यपाल और विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने प्रत्यायन की तैयारियों, अपने व्यक्तिगत अनुभवों, अपने परिवारों पर पड़ने वाले प्रभाव, सामने आने वाली चुनौतियों, प्राप्त लाभों और भविष्य की रणनीतियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रक्रिया से उन्हें न केवल संस्थान को बेहतर बनाने में मदद मिली, बल्कि शैक्षणिक गुणवत्ता को मापने के तरीके के बारे में उनकी समझ का विस्तार भी हुआ है। बयान में कहा गया कि बैठक में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने भविष्य के मूल्यांकन में उच्चतम ग्रेड प्राप्त करने के तरीके पर भी चर्चा की।

झाड़–फूंक के संदेह में की पिता की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। सोनभद्र जिले के म्योरपुर में बृहस्पतिवार की शाम झाड़ेंफूंक करने के संदेह में एक व्यक्ति ने अपने पिता की लकड़ी से वार करके हत्या कर दी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवननाथ त्रिपाठी ने बताया कि म्योरपुर थाना क्षेत्र के खैराही गांव में रामजतन नामक व्यक्ति ने अपने पिता राजमल (६५) के सिर पर लकड़ी से वार कर दिया जिसके बाद उन्हें जख्मी हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले लाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि रामजतन विवाह को कई वर्ष बीत जाने के बावजूद कोई संतान नहीं होने के लिये अपने मातोंपिता को जिम्मेदार मानता था और वह उन पर तंत्रेंमंत्र करने का आरोप लगाता था और इसी बात को लेकर उसका अपने मोंबाप से कई बार विवाद हो चुका था। त्रिपाठी ने बताया कि बृहस्पतिवार को भी आरोपी का अपने मातोंपिता से विवाद हुआ था और इसी दौरान उसने अपने पिता पर जानलेवा हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चमड़ा कारोबारी को डिजिटल अरेस्ट कर ४७ लाख ठगने का खुलासा, शिक्षक गिरफ्तार

लखनऊ। विनय खंड निवासी चमड़ा कारोबारी रविंद्र वर्मा को डिजिटल अरेस्ट कर ४७ लाख ठगने का खुलासा साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने कर दिया है। इस मामले में ओडिशा के सरकारी शिक्षक व उसके साथी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों को साइबर क्राइम की टीम ने ओडिशा से दबोचा। गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों में ओडिशा का सरकारी शिक्षक ओडिशा के क्योंझार निवासी जयंत कुमार साहू और ओडिशा के बालेश्वर निवासी रंजीत कुमार बेहेरा शामिल हैं। डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की रकम इन दोनों के खाते में ट्रांसफर की गई थी। पुलिस की छानबीन में सामने आया कि जयंत कुमार साहू सरकारी शिक्षक है। उसकी आड़ में वह साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह के करोड़ों के रुपयों का मैनेजमेंट देख रहा था। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि कई लोगों के नाम से कॉरपोरेट क्रेडिट कार्ड बनवाए थे। इन कार्ड्स में मोबाइल नंबर अपना डाल रखा था। साइबर ठगी के रुपये आईसीआईसीआई बैंक के कॉरपोरेट नेट बैंकिग और रन पैसा गेटवे के जरिए जयंत कुमार साहू की फर्म के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए जाते थे। इसके बाद साइबर फ्रॉड के रुपये क्रिप्टो करेंसी (यूएसटीडी) में बदलकर उसका बंटवारा गिरोह के सदस्यों और सरगना में किया जाता था। आरोपियों ने बताया कि रविंद्र वर्मा को डिजिटल अरेस्ट कर किए गए फ्रॉड के २७ लाख रुपये ट्रिनव डिजिटल प्रा. लि. के खाते में जमा किये गये थे। यह खाता उदित बलवंत राय के नाम से था। इंस्पेक्टर साइबर क्राइम थाना बृजेश कुमार यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों के परिवारीजनों के नाम से कई कंपनियां भी बनाई गई थीं। इन कंपनियों के खातों में ही साइबर फ्रॉड के रुपये ट्रांसफर किए जाते थे। आरोपी जयंत ने अपने परिजन के नाम से करीब १० फर्जी कॉरपोरेट कंपनियां बनाई थी। जयंत की ओर बनाई गई एक कंपनी में एक महीने में साइबर ठगी के ५ करोड़ रुपये का ट्रांजक्शन किया गया था। इसके अलावा रंजीत के नाम से बनी कंपनी के बैंक अकाउंट में रोज करीब पांच लाख रुपये का ट्रांजक्शन किया जा रहा था। गोमतीनगर के विनयखंड इलाके में रवीन्द्र वर्मा रहते हैं। २० जून को उनके पास एक कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने पीड़ित को झांसा दिया था कि उनके आधार कार्ड का प्रयोग आतंकी व अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में किया गया है। उनके खिलाफ मुम्बई के अंधेरी ईस्ट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज है। इसके बाद पीड़ित की कॉल यह कह कर ट्रांसफर कर दी गई थी कि उनकी बात अंधेरी ईस्ट पुलिस से कराई जा रही है। पीड़ित को विडियो कॉल करके उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया था। पीड़ित को जेल जाने का डर दिखाया गया था। इसके बाद सीबीआई अधिकारी बनकर एक अन्य साइबर जालसाज ने पीड़ित ने बात की थी। पीड़ित को फर्जी अरेस्ट वॉरंट और कोर्ट के सीजर ऑर्डर भेजकर डराया गया था। पीड़ित से जांच के नाम पर ४७ लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए गए थे। पीड़ित ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में इस मामले में २३ जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

डिवाइडर से टकराई कार, दो दोस्तों की मौत

लखनऊ। शहीद पथ स्थित लूलू मॉल के सामने रविवार सुबह पांच बजे बेकाबू कार डिवाइडर से टकरा गयी। रफ्तार इतनी अधिक थी कि टक्कर के बाद डिवाइडर पर लगा लोहे का एंगल दीपेश (२३) व अमित (२५) के सीने में घुस गया, जिसकी वजह से दोनों की जान चली गई। वहीं, तीसरा साथी रुद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने गैस कटर की मदद से एसयूवी कार के एक हिस्से को कटवाकर तीनों को निकाला। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मूल रूप से महोबा के खन्ना गांव निवासी दीपेश ऑनलाइन मार्केटिंग का काम करता था। करीब एक माह पहले व्यवसाय के चलते लोन लेकर नई एसयूवी खरीदी थी। शुक्रवार को काम के सिलसिले में वह कार से लखनऊ आया था। उसके बाद साथी अमित उर्फ अंकित निवासी टिकरी मध्य प्रदेश के साथ शनिवार को मूल रूप से महोबा निवासी दोस्त रुद्र से मिलने दिलकुशा कोठी स्थित उसके फ्लैट पर गए थे। फ्लैट पर तीनों दोस्तों ने पार्टी की। इसके बाद तड़के घूमने के

लिए एसयूवी से निकल पड़े। कार रूद्र चला रहा था। शहीद पथ पर करीब १०० की रफ्तार में फर्राटा कर रही एसयूवी अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। रफ्तार इतनी अधिक थी कि हादसे के बाद कार डिवाइडर पर लगे लोहे के एंगल को तोड़ते हुए करीब डेढ़ सौ मीटर तक घिसटती चली गई। घटना की सूचा मिलते ही सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद एसयूवी को काटकर तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां ड क्टरों ने दीपेश और अमित को मृत घोषित कर दिया। दीपेश के परिवार में पिता दिनेश, मां गीता और दो छोटे भाई नीलेश और शैलेश हैं। पिता किराना व्यापारी हैं। वहीं, अमित के पिता जयराम साहू किसान हैं। परिवार में मां रामाकांति और छोटा भाई आशीष हैं। घायल रूद्र के पिता कोटेदार हैं। अमित लखनऊ पढ़ाई करने के लिए आया था। वह शुक्रवार को मध्य प्रदश से लखनऊ पहुंचा था। अमित की दीपेश और रूद्र से दोस्ती ऑनलाइन मार्केटिंग के दौरान हुई थी। अमित को भी एक इंस्टीट्यूट में दाखिला लेना था। इसी बीच यह हादसा हो गया।

नोएडा की सोसाइटी के फ्लैट में लगी भीषण आग, घर में फंसी लड़की को सकुशल निकाला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिले की आवासीय सोसाइटी में स्थित एक फ्लैट में शुक्रवार शाम भीषण आग लग गई और इस दौरान घर में फंसी १५ वर्षीय लड़की को अधिकारियों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अधिकारियों ने यह जानकारीदी। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र में स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले एक व्यक्ति के घर में शुक्रवार शाम एसी फटने से भीषण आग लग गई। उन्होंने बताया कि घटना के समय व्यक्ति अपने परिवार सहित बाहर गए हुए थे और उनके फ्लैट में १५ वर्षीय किशोरी थी। चौबे ने बताया कि आग की सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि फ्लैट में फंसी लड़की को आसपास के लोगों की सहायता से दमकल कर्मचारियों ने बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने अलग-अलग जगहों से १२ अपराधियों को गिरफ्तार किया

लखनऊ। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने जिले में अपराधियों के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई करते हुए अलग–अलग जगहों से १२ लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बादलपुर, फेज–दो, बिसरख, फेस–तीन, सेक्टर २४, दादरी, कासना थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को रातभर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, ''गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान धर्मेंद्र, सचिन, दीपक कुमार, आदर्श राजा, सैफ खान, लक्ष्मण, इकरार, अकरम, फरमान, सुनील कुमार, प्रवीण और नीरज के रूप में हुई है।'' अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास से अवैध हथियार, अवैध शराब और मादक पदार्थ जब्त किए गए और सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, पिता–पुत्र की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में मेरठ–करनाल राजमार्ग पर शुक्रवार रात तेज रफ्तार एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दुर्घटना में ४० वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। शामली थानाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि वेदखेड़ी मोड़ के निकट यह दुर्घटना हुई और मृतकों की पहचान कौसर (४०) व फरमान (छह) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

गुरु शिष्य के आदर्शतम रिश्ते की मिसाल है गोरक्षपीठ

लखनऊ। भारतीय संसेंति में गुरु और शिष्य के रिश्ते को आदर्श माना जाता रहा है। गुरुकुल की अपनी परंपरा में गुरु एवं शिष्य का एक दूसरे के पर विश्वास, सम्मान और समर्पण इस रिश्ते की बुनियाद रही है। यह रिश्ता केवल शिक्षा एवं ज्ञान तक सीमित नहीं था, बल्कि यह शिष्य के जीवन को दिशा देने, चरित्र निर्माण और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम भी रहा है। कहा जा सकता है कि एक दूसरे का गुरुत्व बढ़ाना गुरु–शिष्य की श्रेष्ठतम परंपरा है। गुरु का गुरुत्व, शिष्य की श्रद्धा में होता है। यह श्रद्धा गुरु के सशरीर रहने पर तो होती ही है, उनके ब्रह्मलीन होने पर भी शिष्य की श्रद्धा जस की तस रहती है। इसी तरह एक योग्य गुरु भी लगातार अपने शिष्य का गुरुत्व बढ़ाने का प्रयास करता है। इस मायने में गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ की तीन पीढियां खुद में बेमिसाल हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पूज्य गुरु ब्रह्मलीन और महंत अवेद्यनाथ (बड़े महराज) का रिश्ता इसकी मिसाल है। बड़े महाराज जितना विश्वास अपने शिष्य और उत्तराधिकारी के रूप में योगी पर करते थे उतना ही योगी का भी अपने गुरु के प्रति समर्पण,सम्मान और श्रद्धा थी । बड़े महाराज योगी के लिए मार्गदर्शक थे।उनके गुरु ने पीठ की परंपरा के अनुसार लोककल्याण को जो दीपक जलाया था शिष्य के रूप में योगी उसे लगातार और

प्रकाशित कर रहे हैं। वह भी मुख्यमंत्री के रूप में एक व्यापक फलक पर। पीठ की परंपरा के अनुसार वह लोककल्याण को सर्वोपरि रखते हुए समाज, संसेंति, सामाजिक समरसता को समृद्ध कर रहे हैं। अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के प्रति उनकी श्रद्धा कितनी गहरी थी, इसके साक्षी पीठ से जुड़े लोग हैं। अपने समय में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का आदेश उनके शिष्य योगी आदित्यनाथ के लिए 'वीटो प वर' जैसा था। आज भी पद के अनुरूप अपनी तमाम व्यस्तताओं में से समय निकालकर वह जब भी गोरखनाथ मंदिर पहुंचते हैं तो सबसे पहले अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव का ही आशीष लेते हैं। यह सिलसिला उनके मठ में रहने तक जारी रहता है। गुरु शिष्य का यही संबंध योगी जी के गुरुदेव और उनके गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ में भी था। हर गुरुपूर्णिमा और सितंबर में गुरुजनों को श्रद्धा निवेदित करने के किए आयोजित साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह के दौरान अपने गुरुओं को पीठ याद करती है। उनके ेतित्व, व्यक्तित्व, सामाजिक सरोकारों, देश के ज्वलंत मुद्दों पर अलग–अलग दिन संत और विद्वत समाज के लोग चर्चा करते हैं। यह एक तरीके से गुरुजनों को याद करने के साथ उनके संकल्पों को पूरा करने की भी प्रतिबद्धता होती है। अलग अलग समय पर भी पूर्वांचल के करोड़ों लोगों की पीठ के प्रति श्रद्धा दिखती भी है। मकर संक्रांति से शुरू होकर करीब एक माह तक चलने वाला खिचड़ी मेला इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। इस दौरान नेपाल, बिहार से लगायत देश भर के लाखों श्रद्धालु गुरु गोरखनाथ को, मौसम की परवाह किए बिना अपनी श्रद्धा निवेदित करने आते हैं। कुछ मन्नत पूरी होने पर आते हैं, कुछ नई मन्नत मांगने भी। गुरु पूर्णिमा के दिन भी जो भी पीठाधीश्वर रहता है, उसके प्रति श्रद्धा निवेदित करने बड़ी संख्या में लोग आते हैं। इसके अलावा होली के एक दिन पहले और होली के दिन निकलने वाला जुलूस, विजयादशमी की शोभा यात्रा भी ऐसे ही आयोजन हैं। ये आयोजन और इनके प्रति लोगों की अपार श्रद्धा पीठ की सामाजिक समरसता की परंपरा की मिसाल है। हालांकि गोरक्षपीठ की परंपरा, लोगों को शिष्य बनाने की नहीं है। पर, उत्तर भारत की प्रमुख व प्रभावी पीठ और अपने व्यापक सामाजिक सरोकारों के नाते इस पीठ के प्रति लाखों–करोड़ों लोगों की स्वाभाविक सी श्रद्धा है। गोरखपुरध् पूर्वांचल की तो यह अध्यक्षीय पीठ है। पीठ का हर निर्णय अमूमन हर किसी को स्वीकार्य होता है। खासकर पर्व और त्योहारों के मामले में। गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य में गोरखनाथ मंदिर में साप्ताहिक श्रीराम कथा का आयोजन ४ जुलाई से शुरू हो चुकी है। कथाव्यास के रूप में हैं प्रयागराज के आचार्य शांतनु जी महाराज। कथा का समय रोज सुबह ६ से ११.३० और दोपहर बाद तीन से छह बजे है। कथा का समापन एवं मुख्य आयोजन (१० जुलाई गुरुवार) गुरुपूर्णिमा को गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में होगा। शुरुआत सुबह ५ से ६ बजे तक महायोगी गुरु गोरखनाथ के रोट पूजन से होगा। इसके बाद मंदिर परिसर के सभी देव विग्रहों एवं समाधिस्थल पर विशेष पूजन होगा। दिन ११.३० से १२.३० तक भजन एवं आशीर्वाद का कार्यक्रम होगा। दोपहर में १२.३० से सहभोज होगा। शाम को ६.३० से बजे की आरती के साथ इसका समापन होगा।

नयी प्रौद्योगिकियां भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि नयी प्रौद्योगिकियां आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के 'संगम २०२५' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, ''आपका विज्ञान, आपकी प्रौद्योगिकी, इस जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार के साथ मिलकर भारत के भविष्य की विकास गाथा को आकार देंगे।'' गोयल ने कहा कि भारत नौकरी चाहने वाले देश से नौकरी देने वाले देश में बदल रहा है। उन्होंने कहा, ''बेशक, कुछ छोटे उपायों में, हमने स्टार्टअप पारिस्थितिकी और इसका समर्थन करने के लिए विभिन्न अन्य पहलों का हिस्सा बनने की कोशिश की है, साथ ही आईआईटी मद्रास जैसे संगठनों ने जो काम किया है, उसका भी हिस्सा बनने की कोशिश की है।'' गोयल ने कहा कि भारत की नीतियां भविष्य के लिए तैयार राष्ट्र बनाने के लिए बनाई गई हैं, जो प्रौद्योगिकी को अपनाता है, काम करने और जीने के नए तरीकों को अपनाता है, और ेत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग तथा डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। मंत्री ने कहा, ''हम नयी प्रौद्योगिकियों से पीछे नहीं हटते। हमारा मानना है कि ये प्रौद्योगिकियां हमें विकास की सूची में आगे बढ़ाने में मदद करेंगी।'' उन्होंने कहा कि इससे भारत को अपने अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव का विस्तार जारी।

सेवानिवृत कनिष्ठ अभियंता ने कुत्ते को मारी गोली, गिरफ्तार

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में एक सेवानिवृत्त कनिष्ठ अभियंता को अपनी लाइसेंसी रिव ल्वर से गली के एक कुत्ते को गोली मारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। नजीबाबाद के क्षेत्राधिकारी नितेश प्रताप सिंह ने बताया कि सावित्री एन्क्लेव निवासी सेवानिवृत्त कनिष्ठ अभियंता राजवीर सिंह ने शुक्रवार शाम को अपनी लाइसेंसी रिव ल्वर से क लोनी में घूम रहे एक कुत्ते को गोली मार दी। उन्होंने बताया कि गोली लगने से कुत्ता की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी

को गिरफ्तार कर लिया गया और उसकी रिव ल्वर जब्त कर ली गई। इस बीच, 'एनिमल फ्रेंड्स क्लब' की सदस्य अनुराधा माथुर और ज्योति शर्मा ने आरोपी का शस्त्र लाइसेंस रद्द करने की मांग की और कहा कि सी सी टी वी फुटेज में आरोपी हाथ में रिवॉल्वर लहराते और कुत्ते को गोली मारते हुए दिखाई दे रहा है। आरोपी के पड़ोसी डॉ. एलएस बिष्ट और राजकुमार कालरा के मुताबिक, कुत्ता आरोपी के घर के ही बाहर बैठता था। पड़ोसियों ने यह भी बताया कि आरोपी ने कुत्ते का पीछा कर उसे कथित तौर पर पांच गोलियां मारी।

सुशील केडिया के ऑफिस में की थी तोड़फोड़, MNS कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया

मुंबई। मुंबई पुलिस ने उद्यमी सुशील केडिया के वर्ली स्थित कार्यालय में कथित रूप से तोड़फोड़ करने के आरोप में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कम से कम पांच कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। माना जा रहा है कि यह घटना महाराष्ट्र में चल रहे मराठी भाषा विवाद के बीच मनसे और उसके प्रमुख राज ठाकरे के बारे में केडिया की विवादास्पद टिप्पणी से जुड़ी है। सुशील केडिया ने स्पष्ट किया कि उनकी पिछली टिप्पणियाँ मानसिक तनाव में की गई थीं और उनका उद्देश्य किसी को ठेस पहुँचाना नहीं था। उन्होंने कहा कि मैंने तनाव के दौरान गलत मानसिक स्थिति में ट्वीट किया था... अब विवाद को हवा देने के लिए इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि गैर–मराठी भाषियों को निशाना बनाए जाने के बाद उन्होंने जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया व्यक्त की। केडिया ने राज ठाकरे की हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की मजबूत वकालत के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने मराठी भाषा को बढ़ावा देने के लिए और अधिक उत्साहजनक ष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया और कहा कि अगर लोगों को डर के बजाय समर्थन दिया जाए तो वे इसे सीखने के लिए अधिक इच्छुक होंगे। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भाषा के मुद्दे पर ठाणे के एक दुकानदार पर कथित हमले की कड़ी निंदा की। बिहार में बोलते हुए उन्होंने भारतीयों के बीच भाषा, क्षेत्र या धर्म के आधार पर बढ़ते विभाजन की निंदा की और आपसी सम्मान और एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठी भाषा को बढ़ावा देने के नाम पर हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार आम नागरिकों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगी।

डंपर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में शनिवार को एक डंपर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र अयोध्या राजमार्ग पर स्थित मंगरौली गांव के पास साहिल (२०) और फैजान (१५) मोटरसाइकिल से रानीगंज बाजार की तरफ जा रहे थे। तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में साहिल और फैजान की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। जगदीशपुर के थाना प्रभारी धीरेंद्र यादव ने बताया कि इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हुई है। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

ठाकरे बंधुओं की रैली हिंदू विरोधी और जिहादी सोच से प्रेरितः नितेश राणे

मुम्बई। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने मुंबई में ठाकरे बंधुओं (उद्धव और राज) की संयुक्त रैली को लेकर शनिवार को उन पर निशाना साधते हुए इस रैली को हिंदू विरोधी और जिहादी सोच से प्रेरित करार दिया। राणे ने आरोप लगाया कि उद्धव और राज की इस संयुक्त रैली का उद्देश्य समाज को बांटना और राज्य को कमजोर करना है। दो दशक के बाद उद्धव और राज ने शनिवार को सार्वजनिक मंच साझा किया और 'आवाज मराठीचा' नामक विजय सभा का आयोजन किया जिसका उद्देश्य राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी के रूप में हिंदी को शामिल करने संबंधी सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाना था। राणे ने इस रैली से एक दिन पहले शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, '' हम हिंदू हैं और मराठी होने पर गर्व करते हैं। जिस तरह से जिहादी हमारे समाज को बांटने की कोशिश करते हैं, ये लोग भी वैसा ही कर रहे हैं। चाहे वह हिंदू राष्ट्र के विचार के खिलाफ काम करने वाले (प्रतिबंधित) पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) हो या स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी), ये दोनों (उद्धव

और राज ठाकरे) कोई अलग नहीं हैं। ये लोग महाराष्ट्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राणे ने ठाकरे बंधुओं की संयुक्त रैली पर निशाना साधते हुए कहा, ''वर्ली की सभा का उद्देश्य हिंदुओं और मराठी लोगों को बांटना है। इसकी तुलना ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), पीएफआई या सिमी की रैलियों से की जा सकती है। इससे राज्य में हिंदुओं को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। रैली के बाद नल बाजार (मुंबई का एक मुस्लिम बहुल क्षेत्र) में मिठाई बांटी जाएगी और पटाखे फोड़े जाएंगे।'' राज्य के मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री ने आरोप लगाया कि यह हिंदू विरोधी रैली है। नितेश राणे उद्धव ठाकरे के धुर विरोधी माने जाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के पुत्र हैं। हालांकि, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने ठाकरे बंधुओं की रैली को लेकर अलग विचार व्यक्त किए। मुनगंटीवार ने कहा, ''अगर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे साथ आ रहे हैं तो यह अच्छी बात है। उन्हें हमारी शुभकामनाएं हैं। दोनों भाइयों को एक होना चाहिए और एक रहना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो दोनों पक्षों को विलय पर भी विचार करना चाहिए।

किस मुंह से बिहार में मांगेंगे वोट...आखिर BJP पर क्यों बरसे अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंपने के फैसले की कड़ी आलोचना की और इसे समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण की विरासत का अपमान बताया। अखिलेश ने इस फैसले पर गहरी निराशा व्यक्त की और केंद्र से अपने जुड़ाव को याद किया। उन्होंने कहा कि हम और चौधरी साहब विशेष रूप से दुखी हैं क्योंकि हम जेपीएनआईसी सोसाइटी के संस्थापक सदस्य थे। अखिलेश ने केंद्र का दौरा करने की एक याद भी साझा की, जब यह खाली पड़ा था। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ष्इसे इतने सालों तक बंद रखा गया था, एक बार मैं साक्षात्कार के लिए गया था, और गार्ड को निलंबित कर दिया गया था। मैंने अपनी जेब में पानी की बोतल रखी थी, इसलिए भाजपा ने मुझसे कहा कि हमने बोतल रख ली है।' अखिलेश ने आगे कहा कि जब नेताजी ने जेपीएनआईसी की आधारशिला रखी थी, तब कई समाजवादी नेता मौजूद थे। जेपीएनआईसी का निर्माण इसलिए किया गया था ताकि यह पीढ़ी लोकतंत्र के लिए संघर्ष देख सके। लोगों को संपूर्ण क्रांति के नारे के साथ आए बदलाव को देखना था। इसके अलावा, भवन को एलडीए को सौंपे जाने की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि यह भवन एलडीए को दे दिया गया, एलडीए का क्या काम है, एलडीए भवन नहीं बल्कि मछली बाजार बनाता है। संस्था की रक्षा

के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए अखिलेश ने कहा, 'और मैं मंच से एक बार फिर कहता हूं कि अगर इन्हें बेचना पड़ा तो हम समाजवादी लोग जेपीएनआईसी को खरीद लेंगे।' अखिलेश ने बिहार में भाजपा की विश्वसनीयता पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यहां जयप्रकाश नारायण की विरासत का राजनीतिक महत्व है। उन्होंने कहा, ष्जो लोग जेपीएनआईसी को नष्ट करना चाहते हैं, वे किस मुंह से बिहार में वोट मांगेंगे। यह जेपीएनआईसी जेपी को समर्पित था।'

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग फैशन बन गया हैः अदालत

इलाहाबाद। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री और भारतीय सेना के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोपी व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा है कि लोगों के कुछ समूहों के बीच अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना एक फैशन बन गया है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने बुधवार को अशरफ खान नाम के व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि संविधान के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी है, लेकिन यह इस हद तक नहीं है कि कोई उच्च गणमान्य व्यक्तियों का अपमान करे और नागरिकों के बीच सौहार्द बिगाड़े। अदालत ने कहा कि उच्च गणमान्य व्यक्तियों के खिलाफ निराधार आरोप लगाकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना कुछ लोगों के समूहों के बीच एक फैशन बन गया है। ऐसे पोस्ट से सौहार्द बिगड़ता है और लोगों के बीच घृणा पैदा होती है। आरोपी अशरफ खान उर्फ निसरत के खिलाफ हाथरस जिले के ससनी

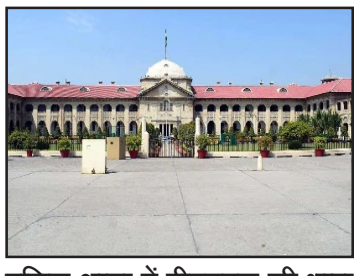

पुलिस थाना में बीएनएस की धारा १५२ (भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने वाला कृत्य) और १९७ (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप और दावे) के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि अशरफ खान ने हाल ही में भारत पाकिस्तान के बीच टकराव के दौरान अपनी फेसबुक आईडी पर संपादित वीडियो अपलोड किए। एक पोस्ट में पाकिस्तानी वायुसेना जिंदाबाद कहा गया है और भारतीय विमान को पाकिस्तानी विमान द्वारा मार गिराया जा रहा है। साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अन्य आपत्तिजनक पोस्ट भी किए गए। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उसका मुवक्किल निर्दोष है और आपत्तिजनक पोस्ट उसके द्वारा आगे नहीं बढ़ाए गए, यद्यपि ये पोस्ट उसके मोबाइल में पाए गए। वहीं दूसरी ओर, राज्य सरकार के वकील ने दलील दी कि सोशल मीडिया पर कथित पोस्ट ने भारत के लोगों के बीच सौहार्द बिगाड़ा और भारतीय सेना और वायुसेना का अपमान भी किया गया। इसलिए याचिकाकर्ता को जमानत देने का आधार नहीं बनता।

पुंछ में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़, हैंडग्रेनेड समेत हथियारों का जखीरा बरामद

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ के सुरनकोट उपखंड में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हथगोले, गोला–बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। यह बरामदगी बेहरामगला के पास मरहा इलाके में की गई, जहां सुरक्षा बलों ने संदिग्ध आतंकवादी गतिविधि को लक्षित करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान तीन हथगोले, बीस गोलियां, एक तार काटने वाला उपकरण, एक चाकू, चार्जिंग केबल और बैटरियां जब्त की गईं। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पुंछ पुलिस एसओजी और भारतीय सेना रोमियो फोर्स के संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान बेहराम गाला के पास मरहा में एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया और तीन हथगोले, गोला–बारूद, वायर कटर, बैटरी, एक चाकू, बिजली के तार और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया था। अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने तक तलाशी अभियान अभी भी जारी था। वहीं, जम्मू कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रही। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में घेराबंदी को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त तैनाती की गई है। यह अभियान

बुधवार को कुचल–चतरू के घने जंगलों वाले कंजल मांडू इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद शुरू किया गया। पुलिस ने सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सहायता से इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर देर शाम करीब सात बजकर ४५ मिनट पर कुचल में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

पीलीभीत पार्टी कार्यालय विवादः इलाहाबाद उच्च न्यायालय का सपा की याचिका पर विचार करने से इनकार

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पीलीभीत नगर निगम के स्थानीय कार्यालय को खाली करने के आदेश को चुनौती देने संबंधी समाजवादी पार्टी की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। रिट याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता पहले ही इस संबंध में दीवानी अदालत का दरवाजा

खटखटा चुका है, इसलिए वह दो राहत का दावा नहीं कर सकता। उच्चतम न्यायालय ने १६ जून को नगर निकाय के फैसले के खिलाफ पार्टी की याचिका को खारिज कर दिया था और पीलीभीत जिला अध्यक्ष को इस मामले में नयी याचिका दायर करने से रोक दिया था। पार्टी ने दावा किया है कि नगर निकाय ने उसे सुनवाई का अवसर दिए बिना ही १२ नवंबर २०२० को परिसर खाली करने का आदेश दिया था।

योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हें वेदांत के प्रकाश से सनातन संस्कृति को वैश्विक पटल पर स्थापित करने का श्रेय दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, चुनौती जितनी बड़ी होगी, जीत उतनी ही शानदार होगी। सभ्यता, संस्कार और स्वाभिमान के उद्घोष– गर्व से कहो हम हिन्दू हैं के द्वारा सोए हुए भारत को जागृत करने वाले युवा संन्यासी, 'राष्ट्रऋषि' स्वामी विवेकानंद जी को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि! उन्होंने कहा, आपने (स्वामी विवेकानंद ने) वेदांत, सेवा और आत्मबल के आलोक से सनातन संस्कृति को विश्वमंच पर

प्रतिष्ठित किया। राष्ट्रनिर्माण की आपकी दृष्टि और 'उठो, जागो' का मंत्र, युगों तक युवा भारत का पथप्रदर्शक बना रहेगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक समेत कई नेताओं ने भी शुक्रवार को विवेकानंद को याद किया। महान आध्यात्मिक नेता, दार्शनिक और विचारक स्वामी विवेकानंद का जन्म १२ जनवरी १८६३ को कोलकाता में हुआ था और चार जुलाई १९०२ को उनका निधन हो गया था। उन्हें १८९३ में अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में अपने अविस्मरणीय संबोधन के लिए याद किया जाता है जहां उन्होंने भारत की संस्कृति और परंपरा को मजबूत छवि के साथ दुनिया के सामने पेश किया था।

योगी आदित्यनाथ से जापानी राजदूत ओनो केइची ने की शिष्टाचार भेंट

लखनऊ। भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की और राज्य के साथ संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। बैठक के बाद जापानी राजदूत ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''कुछ घंटे पहले ही मैंने मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) से मुलाकात की और हमने जापान और उत्तर प्रदेश के बीच संबंधों विकसित करने के तौर तरीकों पर सार्थक बातचीत की।'' उन्होंने बताया, ''यहां (उप्र) की आबादी अधिक है, खासकर युवा प्रतिभाशाली लोगों की, और जापान एक वृद्ध समाज है। इसलिए मुझे लगता है कि यहां मांग और आपूर्ति मिलती है। इसलिए हम साथ मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा यह लखनऊ की मेरी पहली यात्रा है और इस दौरान लोगों के बीच आदान–प्रदान, मानव संसाधन विकास, विभिन्न क्षेत्रों में जापानी कंपनियों के निवेश सहित सहयोग के विभिन्न पहलुओं, क्षेत्रों पर सहमति बनी।'' यह पूछे जाने पर कि क्या जापान उप्र में व्यापार और निवेश के अवसरों पर विचार कर रहा है, उन्होंने कहा, पहले से ही ३०० से अधिक जापानी कंपनियां उप्र, विशेष रूप से नोएडा में संचालित हो रही हैं। लेकिन हम नोएडा के बाहर निवेश बढ़ाना चाहेंगे।'' उन्होंने कहा कि जापानी की शिक्षा सहित स्कूली शिक्षा भी एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें उप्र और जापान साथ मिलकर काम कर सकते हैं। मुख्यमंत्री आवास पर बैठक के बाद, राजदूत केइची ने एक्स पर निवेश, प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन विकास और पर्यटन में जापान–उप्र सहयोग के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बनी सहमति की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक्स पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस मुलाकात के दौरान उत्तर प्रदेश और जापान के बीच तकनीकी

सहयोग, निवेश, युवाओं के कौशल विकास और पर्यटन जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी को लेकर चर्चा हुई। आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक के दौरान यह तय किया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही जापान का दौरा करेगा। साथ ही, जुलाई के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले विश्व एक्सपो, ओसाका में भी उप्र का प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स, हरित ऊर्जा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में जापानी निवेश और तकनीकी सहयोग का स्वागत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जापान के साथ मिलकर युवाओं को प्रशिक्षित करेगी ताकि वे वहां नौकरी के योग्य बन सकें।

उप्र में प्राथमिक विद्यालयों के विलय को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों के विलय को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद शुक्रवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की पीठ ने ेष्णा कुमारी व अन्य की ओर से दायर दो अलग–अलग याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ताओं ने विलय के संबंध में राज्य सरकार के १६ जून के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया है। याचिकाकर्ताओं के वकील एल पी मिश्रा और गौरव मेहरोत्रा ने जोर देकर कहा था कि राज्य सरकार की कार्रवाई संविध ाान के अनुच्छेद २१ए के तहत ६ से १४ वर्ष की आयु के बच्चों को दिए गए शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है, क्योंकि इससे वे अपने आस–पड़ोस में शिक्षा हासिल करने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे। याचिका में कहा गया कि यदि किसी स्कूल में छात्रों की संख्या कम है तो सरकार को स्कूल का स्तर सुधारने का प्रयास करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक बच्चे वहां दाखिला ले सकें। ऐसा करने की बजाय राज्य सरकार ने विलय या किसी अन्य तरीके से उन स्कूलों को बंद करने का आसान रास्ता खोज लिया है। वहीं, निदेशक बेसिक शिक्षा की ओर से अपर महाधिवक्ता अनुज कुदेसिया व मुख्य सरकारी अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह के साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप दीक्षित ने दलील दी कि सरकार ने नियमानुसार निर्णय लिया है और इसमें कोई त्रुटि व अवैधानिकता नहीं है। शासन की ओर से कहा गया कि कई विद्यालय ऐसे हैं, जिनमें एक भी छात्र नहीं है। यह भी दलील दी गई कि सरकार ने कोई विलय नहीं किया है, बल्कि विद्यालयों को जोड़ा गया है। साथ ही, जिन प्राथमिक विद्यालयों को जोड़ा गया है, उन्हें बंद नहीं किया गया है। सुनवाई के दौरान अपर महाधिवक्ता अनुज कुदेसिया ने बार–बार अदालत से इस मामले की रिपोर्टिंग पर रोक लगाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस मामले की कार्यवाही की रिपोर्टिंग की जा रही है, जिससे सरकारी वकीलों की छवि खराब हो रही है। हालांकि, न्यायमूर्ति भाटिया ने इस अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया।

'मृत्युदंड, आजीवन कारावास की सजा वाले मामलों में अग्रिम जमानत देने पर सीआरपीसी की रोक अब लागू नहीं'

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि मृत्युदंड या आजीवन कारावास वाले मामलों में अग्रिम जमानत देने के विषय पर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा के तहत प्रतिबंध अब लागू नहीं है। अदालत ने कहा कि चूंकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता २०२३ (बीएनएसएस) की धारा ४८२, जो अब अग्रिम जमानत को नियंत्रित करती है, में सीआरपीसी की धारा ४३८ (६) के तहत निहित ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है, इसलिए मृत्युदंड या आजीवन कारावास के मामलों में अग्रिम जमानत देने पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह ने तीन जुलाई को अब्दुल हमीद नाम के व्यक्ति द्वारा दायर अग्रिम जमानत की याचिका स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की। हमीद को २०११ के हत्या के एक मामले में सम्मन जारी किया गया था, लेकिन जांच के दौरान उसके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल नहीं किया गया। याचिकाकर्ता की पहली अग्रिम जमानत उच्च न्यायालय की एक पीठ द्वारा फरवरी २०२३ में सीआरपीसी की धारा ४३८(६) के तहत रोक को देखते हुए खारिज कर दी गई थी। सीआरपीसी की धारा ४३८(६) के तहत अग्रिम जमानत पर यह रोक उत्तर प्रदेश संशोधन अधिनियम, २०१६ द्वारा लगाई गई थी। एक जुलाई २०२४ को बीएनएसएस लागू होने के बाद याचिकाकर्ता ने नये कानून की ध ाारा ४८२ के तहत अग्रिम जमानत के लिए नए सिरे से अर्जी दायर की। सत्र न्यायालय ने मार्च २०२५ में इसे खारिज कर दिया जिसके बाद याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय का रुख किया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि बीएनएसएस के अस्तित्व में आने से सीआरपीसी की धारा ४३८(६) अब लागू नहीं है और मौजूदा अर्जी पूरी तरह से भिन्न कानूनी व्यवस्था के तहत दाखिल की गई। वहीं दूसरी ओर, राज्य सरकार के वकील ने दलील दी कि हत्या का मामला २०११ का है और आरोप पत्र सीआरपीसी के तहत दाखिल किया गया था और इसका संज्ञान भी बीएनएसएस के लागू होने से पूर्व लिया गया। बीएनएसएस, उत्तर प्रदेश में लागू धारा ४३८(६) के तहत प्रतिबंध को पूर्व रूप से रद्द नहीं कर सकती। बृहस्पतिवार को अपने फैसले में पीठ ने कहा कि १ जुलाई २०२४ के बाद दायर वर्तमान अर्जी पूरी तरह से बीएनएसएस के दायरे में आता है और इस प्रकार आवेदक इसके नरम प्रावधानों का लाभ पाने का हकदार है।

ब्रिटेन में रह रहा आर्म्स कंसल्टेंट संजय भंडारी भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित, म्क की याचिका पर दिल्ली कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका को स्वीकार करते हुए ब्रिटेन स्थित हथियार सलाहकार संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विशेष न्यायाधीश संजीव अग्रवाल ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, २०१८ के तहत यह आदेश पारित किया। ईडी के अनुसार, भंडारी २०१६ में ब्रिटेन भाग गया था और उसके प्रत्यर्पण की भारत की याचिका को हाल ही में ब्रिटेन की एक अदालत ने खारिज कर दिया था। प्रवर्तन निदेशालय ने फरवरी २०१७ में भंडारी और अन्य के खिलाफ काले धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधि ानियम, २०१५ के तहत उनके खिलाफ दायर आयकर विभाग के आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए मनी लॉन्ड्रिंग का आपराधिक मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने बाद में २०२० में उनके खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। कार्यवाही के दौरान, भंडारी के वकील ने ईडी की याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि यूके में उनका निवास वैध है क्योंकि लंदन उच्च न्यायालय ने भारत को उनके

प्रत्यर्पण से इनकार कर दिया था। हालांकि, ईडी ने अदालत को बताया कि यूके की अदालत के फैसले का मौजूदा कार्यवाही पर कोई असर नहीं है, जो भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत स्वतंत्र प्रकृति की है। एजेंसी ने प्रस्तुत किया कि भंडारी ने जानबूझकर कानून की उचित प्रक्रिया से परहेज किया है, साथ ही कहा कि उनकी अघोषित विदेशी संपत्तियों का मूल्य १०० करोड़ रुपये से अधिक है।

यूपी में स्कूलों के विलय के पीछे गहरी साजिश, शिक्षा का अधिकार छीनना चाहती है भाजपाः अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को भाजपा नीत उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों के विलय के पीछे गहरी साजिश है। अखिलेश यादव ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक्स पर लिखा कि शिक्षा ही विकास की सबसे बड़ी कसौटी होती है। भाजपा सरकार में शिक्षा और शिक्षकों की जो उपेक्षा हो रही है उसके पीछे एक गहरी साजिश की ये आशंका बलवती हो रही है कि भाजपा आनेवाली पीढ़ी से 'शिक्षा का अधिकार' छीनना चाहती है। सपा नेता ने दावा किया कि जो शिक्षित होता है वह सकारात्मक भी होता है और सहनशील भी, ऐसे लोग भाजपा की नकारात्मक राजनीति को कभी भी स्वीकार नहीं करते हैं। शिक्षा से ही उनमें चेतना आती है और वो उत्पीड़न व शोषण के खिलाफ एकजुट हो जाते हैं। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि शिक्षा से जो आत्मविश्वास आता है वह भाजपा जैसे वर्चस्ववादी दल के विरोध का कारण बनता है, इसीलिए न होंगे स्कूल, न होगा भाजपा का विरोध। आज गाँवों में स्कूल बंद होंगे कल को भाजपा के

संगी–साथी सेवा के नाम पर अपने स्कूल वहाँ खोलने के लिए पहुँच जाएँगे। जिससे वो अपनी दरारवादी सोच के बीज बो सकें। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा अपनी प्रभुत्ववादी सोच को बनाए रखने के लिए अशिक्षित व अवैज्ञानिक लोगों की ताली बजाती, थाली पीटती अनपढ़ों की भीड़ चाहती है। नकारात्मक सोच के लिए प्रभुत्ववादी, घोर स्वार्थी व अनपढ़ों का समर्थन चाहिए होता है। सच में शिक्षित व परमार्थ से प्रेरित एक चौतन्य व जागरूक व्यक्ति कभी भी भाजपा जैसी सोच का समर्थक नहीं हो सकता है। जितनी शिक्षा प्रसारित होगी उतनी ही भाजपाई राजनीति की जड़ कमजोर होगी। उन्होंने कहा कि सब जानते हैं कि जो चीज निगाह से दूर हो जाती है, वो दिमाग से भी दूर हो जाती है। जब आसपास स्कूल ही नहीं दिखेंगे तो शिक्षा की साक्षात प्रेरणा ही समाप्त हो जाएगी। हमारा तर्क ये है कि जब १ मतदाता के लिए बूथ बनाया जा सकता है तो ३० बच्चों के लिए स्कूल चलाया क्यों नहीं जा सकता है। ये पीडीए के वंचित समाज को और भी वंचित करने का एक बड़ा षड्यंत्र है। सूत्रों के अनुसार, योगी–आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने शैक्षिक संसाधनों को युक्तिसंगत बनाने और कम नामांकन, शिक्षकों की कमी और बुनियादी ढांचे के दोहराव जैसे मुद्दों को दूर करने के लिए स्कूलों को विलय करने का फैसला किया।

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर महिला की हत्या, मामला दर्ज

भदोही। जिले में दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर शादी के महज दो माह बाद एक नवविवाहिता की कथित तौर पर उसके ससुराल वालों ने हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ससुराल पक्ष का दावा है कि महिला ने खुदकुशी की, जबकिउसके मायके वालों ने महिला के पति और ससुराल पक्ष पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। गोपीगंज थाना के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में मृतका रोशनी विश्वकर्मा (२२) के भाई संजय कुमार विश्वकर्मा की शिकायत पर पति प्रदीप विश्वकर्मा, सास राधा देवी, ससुर बलराम और ननद पूनम विश्वकर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के मुताबिक गोपीगंज थाना के वार्ड नंबर चार की निवासी रोशनी की शादी कोइरौना थाना क्षेत्र के सदाशिव पट्टी गांव के प्रदीप विश्वकर्मा से छह मार्च २०२५ को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत हुई थी। प्राथमिकी के अनुसार सामूहिक विवाह में दहेज में कुछ नहीं मिलने पर प्रदीप के परिवार वालों ने ३१ मई को धूमधाम से शादी करने की बात कही। इसके अनुसार दूसरी शादी के बाद रोशनी के ससुराल वालों ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया और सोने के जेवर तथा नकदी की मांग करने लगे। प्राथमिकी में आरोप लगाया कि दहेज की मांग पूरी न होने पर १५ जून को ससुराल वालों ने रोशनी की हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए उसे ससुराल से २० किलोमीटर दूर गोपीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद में लाकर छोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बस पलटने से एक बच्चे की मौत, १० छात्र घायल

सीतापुर। जिले के थानगांव में सुजातपुर के पास शुक्रवार दोपहर एक स्कूल बस पलट जाने से एक बच्चे की मौत हो गई और करीब १० छात्र घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी पुलिस के अनुसार, स्कूल से छुट्टी के बाद बस करीब ४० छात्रों को उनके घर छोड़ने जा रही थी। सीतापुर के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दुर्गेश सिंह ने बताया कि जैसे ही बस सुजातपुर गांव के पास पहुंची, ग्वारी गांव निवासी शाहनवाज (आठ) नाम का एक बच्चा अचानक सड़क पर आ गया और उसे बचाने के प्रयास में बस

चालक ने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन शाहनवाज से टकरा गया और फिर सड़क किनारे पलट गया। एएसपी ने बताया कि शाहनवाज को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से पलटी हुई बस से छात्रों को बाहर निकाला और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। बस में सवार ४० छात्रों में से १० को चोटें आईं हैं और उनका इलाज किया जा रहा है।

फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिला पुलिस ने फर्जी मार्कशीट बनाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बुधवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से ६६ फर्जी मार्कशीट, सात स्थानांतरण प्रमाण पत्र, २२ बायोडाटा व अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना फेस–वन पुलिस ने बुधवार को एक सूचना के आधार पर अभिमन्यु गुप्ता तथा धर्मेंद्र गुप्ता को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी बेरोजगार व परीक्षा में फेल हो चुके लोगों को फर्जी मार्कशीट और स्थानांतरण प्रमाण पत्र आदि बना कर देते थे जिसके आधार पर वे लोग निजी फैक्ट्रियों में नौकरी हासिल करते थे। प्रसाद ने बताया कि ये लोग फर्जी मार्कशीट के लिए ८० हजार रुपये से दो लाख रुपये तक लेते थे।

महिला वकील को 'डिजिटल अरेस्ट' कर ठगी करने के मामले में तीन गिरफ्तार

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में रहने वाली एक वरिष्ठ महिला अधिवक्ता को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे ३.२६ करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को शुक्रवार रात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त (साइबर क्राइम) प्रीति यादव ने बताया कि नोएडा के सेक्टर ४७ में रहने वाली बुजुर्ग महिला अधिवक्ता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात साइबर अपराधियों ने उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' करके उनसे ३,२६,७०,००० रुपये की ठगी कर ली है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया जिनकी पहचान दुपेंद्र सिंह, विनय समानिया और मनदीप के तौर पर हुई है। इस घटना में शामिल अन्य लोगों की पुलिस तलाश कर रही है।

कानपुर में जानलेवा हमले के चश्मदीद गवाह की अपहरण करके हत्या

कानपुर। जिले में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमले के मामले के चश्मदीद गवाह की कथित तौर पर अपहरण करके हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान ट्रैक्टर चालक विमल गौतम (५०) के रूप में हुई, जिसका बुधवार को कथित अपहरण कर लिया गया था। सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के बिनगवां गांव से ट्रैक्टर चालक का अपहरण कर लिया गया था और उसका शव शुक्रवार सुबह पनकी नहर से बरामद किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त (घाटनपुर) कृष्णकांत यादव ने बताया कि "मृतक के चेहरे और सिर पर चोट के निशान से प्रतीत होता है कि उसे नहर में फेंकने से पहले हथौड़े से वार किया गया होगा। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। विमल के बेटे शिवम गौतम ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि परिवार ने पिता की तलाश शुरू की, लेकिन उनका पता नहीं चल पाया। फिर उन्होंने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। शिवम ने पुलिस को यह भी बताया कि उसके पिता जानलेवा हमले के एक मामले में मुख्य चश्मदीद गवाह थे और उन्हें १२ जुलाई को इरफान नामक व्यक्ति के पिता जाकिर के खिलाफ अदालत में गवाही देनी थी। शिवम ने आरोप लगाया कि उसके पिता का अपहरण गवाही को रोकने के इरादे से किया गया था।

सिपाही को ई–रिक्शा चालक से रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

मथुरा। मथुरा में भ्रष्टाचार रोधी दल ने गोविंद नगर थाने में तैनात एक सिपाही को ई–रिक्शा चालक से ५० हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद निलंबित किए गए सिपाही के खिलाफ फरह थाने में मामला दर्ज कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर क्षेत्र) राजीव कुमार सिंह ने बताया कि सिपाही शुभम चौहान के विरुद्ध गोविंद नगर निवासी ई–रिक्शा चालक संजू ठाकुर ने भ्रष्टाचार रोधी दल से शिकायत की थी जिसमें आरोप लगाया गया कि चौहान गोविंद नगर थाना क्षेत्र में ई–रिक्शा चलाने के लिए उसे हर महीने २० हजार रुपये देने की मांग कर रहा था। उन्होंने बताया कि बाद में उसने एकमुश्त ५० हजार रुपये देकर रिक्शा चलाने की अनुमति देने को कहा और ऐसा न करने पर ई–रिक्शा न चलाने देने की धमकी दी। सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने पर भ्रष्टाचार रोधी टीम ने ई–रिक्शा चालक को रसायन लगे नोट सिपाही को देने कहा और उसे बृहस्पतिवार को थाने के पीछे बुलाकर वे नोट सौंप दिए। उन्होंने बताया कि जैसे ही आरोपी ने रकम हाथ में पकड़ी तो आसपास छिपे भ्रष्टाचार रोधी दल के सदस्यों ने उसे पकड़ लिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिपाही को पकड़ कर फरह थाने लाया गया और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि सिपाही शुभम चौहान की गिरफ्तारी के बाद उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और विभागीय जांच के भी आदेश दिये गये हैं।

आकाशीय बिजली की चपेट आने से युवक की मौत

बांदा। जिले के बबेरू कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार शाम बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बबेरू कोतवाली पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब छह बजे तेज बारिश के दौरान भदेहदू गांव के मजरा सुम्मे पुरवा के रहने वाला युवक लवलेश (२५) आकाशीय बिजली की चपेट में आकर झुलस गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना की सूचना राजस्व अधिकारियों को दी गई है, ताकि पीड़ित परिवार को आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता मिल सके।

जयंती: सीएम योगी ने डॉ. श्यामा प्रसाद को किया नमन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक ड क्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण

कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के बाद अपने संबोधन में कहा कि मुखर्जी एक प्रखर वक्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान शिक्षाविद थे। उनका पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उन्होंने दावा किया कि पंडित जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में बनी देश की पहली सरकार में खाद्य एवं उद्योग मंत्री रहे मुखर्जी ने नेहरू सरकार की तुष्टीकरण के नीति के विरोध में मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था। योगी ने कहा कि जब नेहरू सरकार ने संविधान में कश्मीर को अनुच्छेद ३७० के जरिये अलग दर्जा देने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सबसे पहले मुखर्जी ने ही आवाज उठाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुखर्जी ने उस समय एक देश में 'दो प्रधाान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का नारा दिया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर में अनुच्छेद ३७० को समाप्त करके कश्मीर को भारत के संविधान के अनुरूप शेष भारत के साथ जोड़ते हुए 'एक विधान, एक प्रधान और एक निशान' के साथ देश लोकतांत्रिक धारा के साथ जोड़ने का अभिनव प्रयास किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जम्मू–कश्मीर तेजी के साथ विकास कर रहा है और यह डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संकल्पों की विजय है। बताते चलें कि संस्कृति मंत्रालय की ओर से ६ जुलाई २०२५ से ६ जुलाई २०२७ तक '१२५वीं जयंती स्मृति वर्ष' के तहत प्रदेश भर में दो वर्षीय विशेष आयोजनों की शृंखला चलाई जाएगी। इसका शुभारंभ रविवार से किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से युवापीढ़ी को डॉ. मुखर्जी के आदर्शों, उनके जीवन और भारत की अखंडता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से अवगत कराया जाएगा।

नाबालिग लड़की से बलात्कार का आरोपी युवक गिरफ्तार

महराजगंज। जिले के श्यामदेउरवा क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने के आरोप में २२ वर्षीय युवक को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोमेंद्र मीना ने बताया कि घटना आज सुबह उस समय हुई जब लड़की शौच के लिए अपने घर से निकली थी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान राज के रूप में हुई है जो उसके पड़ोस में ही रहता है। आरोप है कि वह लड़की को बहाने से अपने घर ले गया और उससे बलात्कार किया। बाद में लड़की ने अपने परिवार के सदस्यों को घटना के बारे में बताया और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एसपी ने बताया कि शिकायत के तुरंत बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया तथा लड़की को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है। उनके मुताबिक, आगे की जांच की जा रही है।

फर्जी NSG कमांडो गिरफ्तार: इटली की ऑटोमैटिक पिस्टल और वायरलेस हैंडसेट बरामद

लखनऊ। आलमबाग बस अड्डे पर एक फर्जी NSG कमांडो को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान रंजन कुमार के रूप में हुई है, जो कुशीनगर के सुजान का निवासी है। वह बिना टिकट के रोडवेज बस में सफर कर रहा था, जब उसे पकड़ लिया गया।

पुलिस ने जब उसकी जांच की, तो पता चला कि वह फर्जी छैल कमांडो है। उसके पास से मेड इन इटली अ टोमैटिक पिस्टल और वायरलेस हैंडसेट बरामद हुआ है। पुलिस को उसके मोबाइल से वर्दी में कई फोटो भी मिली हैं। पुलिस के सामने रंजन कुमार ने अपनी गलती स्वीकार की और माफी मांगी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वह फर्जी छैल कमांडो कैसे बना और उसके पास से बरामद हथियार और वायरलेस हैंडसेट कहां से आए।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lat; ckt ibZ

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqjs'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

C;wjk phQ

eÅ

अखिलेश यादव ने योगी सरकार को घेरा है और लाइन सफारी की अनदेखी करने का योगी सरकार पर लगाया आरोप

लखनऊ। एशियाई शेरों के सबसे बड़े आशियाने के रूप में देश दुनिया में लोकप्रिय इटावा सफारी पार्क को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार को घेरा है और लाइन सफारी की अनदेखी करने का आरोप योगी सरकार पर लगाया है। इटावा सफारी पार्क में १८ एशियाई शेर शावक शेरनिया,२१ लेपर्ड,६ भालू,६ बारह सिंघा,२५० के आसपास ब्लैक बक ओर हिरण के अलावा करीब तीन सौ से अधिक प्रजाति के पक्षी है जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय ने कहा कि सरकार की सोच पर्यावरणीय नहीं है और इसीलिए इटावा सफारी पार्क के अनदेखी सरकार करने में जुटी हुई है,समाजवादी सरकार में इटावा सफारी पार्क का निर्माण किया गया है और आज तक इटावा सरकारी पार्क के विस्तारीकरण के लिए कोई बजट नहीं दिया गया है। यह सब बातें इटावा सफारी पार्क की अनदेखी की ओर इशारा करती है, उनका श्कहना है कि जब तक पर्यावरण सोच वाली सरकार नहीं होगी तब तक इसी तरह से पर्यावरण का नुकसान होता रहेगा। इटावा सफारी पार्क में देश का पहला ब्रीडिंग सेंटर खोला गया है जिसमें एशियाई शेरों की पैदाइश हो रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि बजट के अभाव में इटावा सफारी पार्क का विस्तारीकरण बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। अखिलेश ने कहा इटावा की पहचान देश दुनिया में कभी को चंबल के कुख्यात डाकुओं के आतंक से देश दुनिया में बनी हुई थी लेकिन आज इटावा की पहचान लाइन सफारी से बन चुकी है देश दुनिया से बड़ी संख्या में पर्यटक इटावा सफारी पार्क नियमित आने में जुटे हुए हैं। इटावा सफारी पार्क में आने वाले हर पर्यटक को एशियाई शेर हर हाल में देखने को तो मिलते ही है इसके अलावा अन्य वन्य जीव भी पर्यटक देखकर के खासे आनंदित भी होते हैं। वैसे तो इटावा सफारी पार्क में बड़ी तादाद में अन्य वन्य जीव भी हैं लेकिन सबसे बड़ा आकर्षण एशियाटिक शेर ही हैं। इन्हें देखने पर्यटक बड़ी तादाद में साल भर आते हैं। सफारी प्रबंधन ने ल यन सफारी में ५ शेरों को छोड़ रखा है। पहले ये एक बाड़े में बंद थे, लेकिन अब इन्हें खुला छोड़ दिया है। अब पर्यटक बंद गाड़ी से यहां घूमेंगे और शेरों को खुले मैदान में देख सकेंगे। यहां आने वाले टूरिस्ट को लगता है कि वे यहीं इस तरह के शेरों को देख सकते हैं। राजस्थान से आए एक पर्यटक बताते हैं कि रणथंभोर में भी शेर हैं लेकिन वह दिखाई देंगे या नहीं, यह नहीं कहा जा सकता। लेकिन, इटावा सफारी पार्क में हर हाल में शेर नजर आएगा और आपको आनंद का एहसास कराएगा। जिस हिस्से में शेरों को छोड़ कर के रखा गया है वहां पर ड क्टरों की एक टीम भी हमेशा मौजूद रहती है।

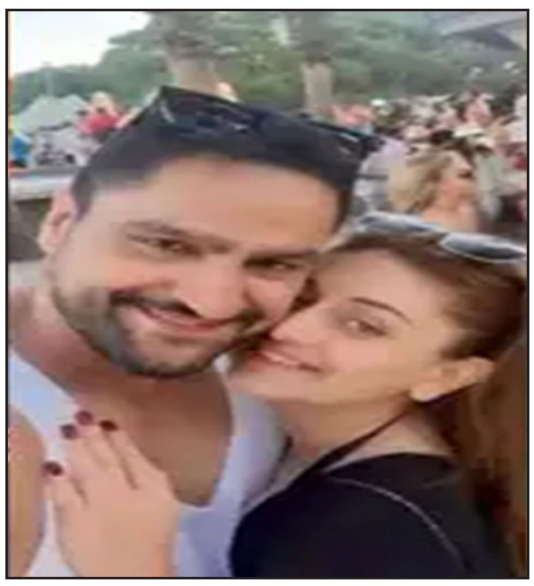

पत्नी शेफाली जरीवाला को याद कर भावुक हुए पराग त्यागी

नई दिल्ली। अभिनेता पराग त्यागी ने अपनी दिवंगत पत्नी शेफाली जरीवाला को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट लिखा है। 'कांटा लगा' गाने से लोकप्रियता पाने वाली शेफाली जरीवाला का २७ जून को निधन हो गया था। वह टेलीविजन की चर्चित हस्तियों में शामिल थीं। त्यागी ने रविवार सुबह अपने इंस्टाग्राम पर शेफाली के साथ बिताए पलों की तस्वीरों की एक वीडियो क्लिप साझा की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "परी... मैं हर जन्म में तुम्हें ढूंढ़ लूंगा और हर जीवन में तुमसे प्यार करूंगा। मैं तुमसे हमेशा प्यार करता रहूंगा... मेरी गुंडी, मेरी छोकरी।" शेफाली जरीवाला ने वर्ष २००२ में लता मंगेशकर के गीत 'कांटा लगा' के रीमिक्स से मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनाई थी। बाद में वह 'नच बलिए' और 'बिग ब स १३' जैसे टेलीविजन रियलिटी शो में भी नजर आईं। मुंबई पुलिस ने उनके निधन के सिलसिले में आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar @yahoo.in adbhut_samachar @rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक